Roll No. ....

डी. पी. जे. - 12 (फलित ज्योतिष में डिप्लोमा)

वार्षिक परीक्षा- 2015

पी. जे.- 102 (द्वितीय प्रश्न पत्र)

(फलित ज्योतिष का आधारभूत सिद्धान्त)

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक**- 60

नोट : यह प्रश्न-पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह अंक निर्धारित हैं । शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं । 2×15

1. भारतीय ज्योतिष के काल विभाजन का विस्तृत वर्णन कीजिए।
2. ज्योतिष शास्त्र में कथित ग्रहों के गुण धर्म का उल्लेख कीजिए।
3. भाव परिचय देते हुए सूर्यादि ग्रहों का द्वादश भावों में फल लिखिए।
4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए-

   (क) राजयोग (ख) पंचमहापुरुष

   (ग) अरिष्ट एवं अरिष्ट भंग योग (घ) नक्षत्र

TRIAL MODE − a valid license will remove this message. See the keywords property of this PDF for more information.

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं । शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं । (4×5=20)

1. ज्योतिष शास्त्र के प्रमुख प्रवर्तकों का वर्णन कीजिए।
2. द्वादश राशियों के गुण-धर्म का उल्लेख कीजिए।
3. ग्रहों के नैसर्गिक एवं तात्कालिक मैत्री का वर्णन कीजिए।
4. उदाहरण सहित सुनफा, अनफा, दुरधरा एवं केमद्रुम योग का वर्णन कीजिए।
5. अरिष्ट योग से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।
6. योग के शुभाशुभ प्रभावों का वर्णन कीजिए।
7. पंचांग किसे कहते हैं? उनके शुभाशुभ फलों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
8. सम्प्रति ज्योतिष के महत्व पर प्रकाश डालें।

खण्ड-ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है । इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । (10×1=10)

1. वेदांगों की संख्या कितनी है–

   (अ) 4 (ब) 5

   (स) 6 (द) 7

TRIAL MODE − a valid license will remove this message. See the keywords property of this PDF for more information.

2. उत्तरकालामृत की रचना किसने की थी–

(अ) आचार्य लल्ल (ब) वराहमिहिर

(स) कल्याणवर्मा (द) कालिदास

3. तिथि का आधा होता है–

(अ) नक्षत्र (ब) राशि

(स) करण (द) दिन

4. अमावस्या के कितने भेद हैं–

(अ) 2 (ब) 4

(स) 6 (द) 3

5. मंगल किस राशि में उच्च का होता है–

(अ) मेष (ब) वृश्चिक

(स) मकर (द) कुम्भ

6. सम+शत्रु = ?

(अ) मित्र (ब) शत्रु

(स) सम (द) कोई नहीं

7. केन्द्र के साथ किस भाव का सम्बन्ध राजयोग कारक होता है–

(अ) पणफर (ब) आपोक्लिम

(स) केन्द्र (द) त्रिकोण

8. पंचमहापुरुष योग के अन्तर्गत बुध से बनने वाले योग का नाम है–

(अ) मालव्य (ब) भद्र

(स) रूचक (द) शश

TRIAL MODE − a valid license will remove this message. See the keywords property of this PDF for more information.

9. लग्न, चतुर्थ, सप्तम, दशम में यदि पाप ग्रह हो तो जातक के जन्म से पूर्व किसके लिए अरिष्ट होता है–

(अ) माता के लिए (ब) पिता के लिए

(स) भाई के लिए (द) बहन के लिए

10. योगिनी दशा कितने वर्षों की होती है–

(अ) 120 (ब) 108

(स) 36 (द) 40

TRIAL MODE − a valid license will remove this message. See the keywords property of this PDF for more information.